Date - 22 Feb 2022

काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान

- हाल ही में असम के काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान में विश्व प्रसिद्ध 'एक सींग वाले बड़े गैंडे' के अवैध शिकार का मामला सामने आया है।

परिचय:

- **गैंडे की पांच प्रजातियां हैं** – अफ्रीका में सफेद और काले गैंडे, एशिया में ग्रेटर एक सींग वाले गैंडे, जावा और सुमात्रा गैंडे (जावन और सुमात्रा गैंडे) प्रजातियां।

IUCN लाल सूची पर स्थिति:

- **ब्लैक राइनो**: गंभीर रूप से संकटग्रस्त। दो अफ्रीकी प्रजातियों में से छोटा।
- **सफेद गैंडा:** खतरे या खतरे के करीब। शोधकर्ताओं ने इन विट्रो फर्टिलाइजेशन (आईवीएफ) प्रक्रिया का उपयोग करके एक उत्तरी सफेद गैंडे का भ्रूण बनाया है।
- **एक सींग वाला गैंडा:** कमजोर।
- **जावा:** गंभीर रूप से संकटापन्न।
- **सुमात्रा राइनो:** गंभीर रूप से संकटग्रस्त।
- भारत में केवल एक सींग वाला गैंडा पाया जाता है।
- एक सींग वाला गैंडा (भारतीय गैंडा) गैंडों की प्रजातियों में सबसे बड़ा है।
- इस गैंडे की पहचान एक ही काले सींग और त्वचा की सिलवटों वाले भूरे रंग से होती है।
- वे मुख्य रूप से घास, पत्तियों, झाड़ियों की शाखाओं और पेड़ों, फलों और जलीय पौधों पर चरते हैं।

प्राकृतिक वास:

- यह प्रजाति भारत-नेपाल के तराई क्षेत्र, उत्तरी पश्चिम बंगाल और असम तक सीमित है।
- भारत में गैंडे मुख्य रूप से असम, पश्चिम बंगाल और उत्तर प्रदेश में पाए जाते हैं।
- असम में चार संरक्षित क्षेत्रों (पोबितोरा वन्यजीव अभयारण्य, राजीव गांधी ओरंग राष्ट्रीय उद्यान, काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान और मानस राष्ट्रीय उद्यान) में 2,640 गैंडे हैं।
- इनमें से लगभग 2,400 गैंडे काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान और टाइगर रिजर्व में हैं।

संरक्षण की स्थिति:

- **आईयूसीएन रेड लिस्ट:** सुभेद्य।
- CITES: परिशिष्ट I (इसमें 'लुप्तप्राय' प्रजातियां शामिल हैं जिनका व्यापार करने पर अधिक जोखिम हो सकता है।)
- **वन्यजीव संरक्षण अधिनियम**, 1972: अनुसूची-I

जोखिम:

- सींगों का अवैध शिकार
- घर का खोना
- जनसंख्या घनत्व

Yojna IAS

- घटती आनुवंशिक विविधता

भारत द्वारा संरक्षण प्रयास:

- राइनो रेंज के पांच देशों (भारत, भूटान, नेपाल, इंडोनेशिया और मलेशिया) ने इन प्रजातियों के संरक्षण और संरक्षण के लिए एशियाई गैंडों पर नई दिल्ली घोषणा, 2019 पर हस्ताक्षर किए हैं।
- हाल ही में, पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (MoEFCC) ने देश में सभी गैंडों के लिए डीएनए प्रोफाइल बनाने के लिए एक परियोजना शुरू की है।
- **राष्ट्रीय गैंडा संरक्षण रणनीति:** इसे एक सींग वाले गैंडे के संरक्षण के लिए वर्ष 2019 में शुरू किया गया था।
- **इंडियन राइनो विजन** 2020: इसे वर्ष 2005 में लॉन्च किया गया था। इंडियन राइनो विजन 2020 भारतीय राज्य में स्थित सात संरक्षित क्षेत्रों में फैले एक सींग वाले गैंडों की आबादी को वर्ष 2020 तक कम से कम 3,000 तक बढ़ाने का एक महत्वाकांक्षी प्रयास था।
- काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान को वर्ष 1985 में यूनेस्को द्वारा विश्व धरोहर स्थल घोषित किया गया था।
- इसे 2006 में भारत सरकार द्वारा बाघ अभयारण्य घोषित किया गया था।

Yojna IAS

'बेंट-टोड गेको'

- हाल ही में पशु चिकित्सकों की एक टीम ने मेघालय के उमरोई सैन्य स्टेशन के एक जंगली हिस्से में 'बेंट-टोड गेको' छिपकली की एक नई प्रजाति की उपस्थिति दर्ज की है।
- इसका वैज्ञानिक नाम 'क्राइटोडैक्टाइलस एक्सर्सिटस' है और इसका अंग्रेजी नाम 'इंडियन आर्मीज बेंट-टोड गेको' है।
- इसके अलावा, मिजोरम के सियाहा जिले (जहां यह पाया गया था) के नाम पर एक और नए 'बेंट-टोड गेको' का नाम 'साइरटोडैक्टाइलस सियाहेन्सिस' रखा गया।
- पशुचिकित्सक या पशुचिकित्सक वह व्यक्ति होता है जो सरीसृपों और उभयचरों के अध्ययन में विशेषज्ञता रखता है।

गेको:

- गेको सरीसृप श्रेणी के जीवों के अंतर्गत आता है और अंटार्कटिका को छोड़कर सभी महाद्वीपों में पाया जाता है।
- ये रंगीन छिपकलियां वर्षावनों से लेकर रेगिस्तानों और ठंडे पहाड़ी ढलानों तक के आवासों के अनुकूल हो गई हैं।
- भूतकाल में, जेकॉस ने जीवित रहने और शिकारियों से बचने के लिए कुछ शारीरिक विशेषताओं का विकास किया है।
- गेकोस अपनी पूंछ से कई उद्देश्यों की पूर्ति करते हैं। यह उन्हें शाखाओं पर चढ़ते समय अपने वजन को संतुलित करने में मदद करता है और वसा को जमा करने के साथ-साथ पर्यावरण में अदृश्य होने में मदद करने के लिए ईंधन टैंक के रूप में कार्य करता है।
- गीकॉस शिकारी द्वारा पकड़े जाने पर अपनी पूंछ गिराने में सक्षम होते हैं।
- अधिकांश गेको प्रजातियां निशाचर होती हैं, अर्थात वे रात में सक्रिय होती हैं, लेकिन दिन के दौरान सक्रिय जेको प्रजातियां कीड़ों, फलों और फूलों के पराग पर निर्भर करती हैं।
- जब वे अपने क्षेत्र की रक्षा कर रहे हों या किसी साथी को आकर्षित कर रहे हों, तो अधिकांश जेकॉस चहकने, भौंकने और क्लिक करने जैसी आवाजें निकालते हैं।
- छिपकली की कई प्रजातियां होती हैं। प्रजातियों के आधार पर उनके संरक्षण की स्थिति कम से कम चिंता- एलसी से लेकर गंभीर रूप से लुप्तप्राय तक होती है।

Yojna IAS

अरुणाचल प्रदेश: 36वां स्थापना दिवस

- हाल ही में प्रधानमंत्री ने अरुणाचल प्रदेश के 36वें स्थापना दिवस पर लोगों को बधाई दी।
- भारतीय संविधान में 55वें संशोधन (वर्ष 1986) के माध्यम से 20 फरवरी 1987 को अरुणाचल प्रदेश भारतीय संघ का 24वां राज्य बना।

अरुणाचल प्रदेश के बारे में:

ऐतिहासिक पृष्ठभूमि:

- ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन के दौरान 1972 तक राज्य को नॉर्थ-ईस्ट फ्रंटियर एजेंसी (एनईएफए) के रूप में जाना जाता था।
- 20 जनवरी 1972 को यह एक केंद्र शासित प्रदेश बन गया और इसका नाम अरुणाचल प्रदेश रखा गया। इसे अरुणाचल प्रदेश राज्य अधिनियम, 1986 द्वारा राज्य का दर्जा दिया गया था।

भौगोलिक स्थिति:

- अरुणाचल प्रदेश का गठन वर्ष 1987 में असम से अलग एक पूर्ण राज्य के रूप में हुआ था।
- अरुणाचल प्रदेश की सीमा पश्चिम में भूटान और उत्तर में चीन के तिब्बती क्षेत्र से लगती है।
- नागालैंड और म्यांमार इसके दक्षिण-पूर्वी भाग में हैं, जबकि असम दक्षिण-पश्चिमी भाग में स्थित है।

जनसंख्या:

- ईटानगर अरुणाचल प्रदेश की राजधानी है।
- राज्य की कुल साक्षरता दर (2011 की जनगणना के अनुसार) 38% है, जिसमें पुरुष साक्षरता दर 72.55% और महिला साक्षरता दर 57.70% है।
- राज्य का लिंगानुपात 938 महिला प्रति 1000 पुरुष (राष्ट्रीय लिंग अनुपात: 943) है।
- राज्य में 26 प्रमुख जनजातियां हैं, जिनमें से 100 से अधिक उप-जनजातियां हैं, जिनमें से कई अज्ञात जनजातियां हैं। इस राज्य की लगभग 65% आबादी आदिवासी है।

व्यवसाय:

- इस राज्य की अधिकांश आबादी अपनी आजीविका के लिए कृषि (मुख्य रूप से स्थानांतरित खेती) पर निर्भर है।
- अन्य नकदी फसलों जैसे आलू आदि की खेती।
- अनानास, सेब, संतरा आदि बागवानी फसलों की भी खेती की जाती है।

जैव विविधता:

- **राजकीय पशु**: मिथुन (जिसे गेल भी कहा जाता है)।
- **राज्य पक्षी:** हॉर्नबिल।
- दिहांग दिबांग बायोस्फीयर रिजर्व भी इसी राज्य में स्थित है।

संरक्षित क्षेत्र:

- नमदाफा राष्ट्रीय उद्यान
- मौलिंग नेशनल पार्क
- सेसा आर्किड अभयारण्य
- दिबांग वन्यजीव अभयारण्य
- पक्के टाइगर रिजर्व

अरुणाचल के आदिवासी:

- अरुणाचल प्रदेश के महत्वपूर्ण जनजातीय समूहों में **मोनपा, निशि, अपतानी, नोक्टे और शेरडुकपेन** शामिल हैं।
- **मोनपा:** पश्चिम कामेंग और तवांग जिलों में रहने वाले, पूर्वोत्तर में एकमात्र खानाबदोश जनजाति मानी जाती है, वे मुख्य रूप से बौद्ध हैं जो महायान संप्रदाय का पालन करते हैं।
- **अपतानी:** वे आर्य-पूर्व मान्यताओं का पालन करते हैं, जैसा कि पेड़ों, चट्टानों और पौधों आदि की उनकी पूजा से स्पष्ट होता है। वे मुख्य रूप से बांस की खेती करते हैं।
- **नोक्टे:** वे अरुणाचल प्रदेश के तिरप जिले में रहते हैं और थेरवाद बौद्ध धर्म और जीववाद का पालन करते हैं।

Yojna IAS

- **शेरडुकपेन:** एक छोटा आदिवासी समूह, यह समूह अरुणाचल प्रदेश की सबसे प्रगतिशील जनजातियों में से एक है। ये लोग खेती, मछली पालन और पशुपालन करते हैं। हालाँकि उन्होंने बौद्ध धर्म अपना लिया है, लेकिन उनकी अधिकांश प्रथाएँ अभी भी बौद्ध धर्म से पहले और अधिक जीववादी हैं।
- **निशी**: यह अरुणाचल प्रदेश की सबसे अधिक आबादी वाली जनजाति है, ये लोग मुख्य रूप से झूम खेती करते हैं और चावल, बाजरा, ककड़ी आदि का उत्पादन करते हैं।

Yojna IAS

मिजोरम: 36वां स्थापना दिवस

- हाल ही में मिजोरम के 36वें स्थापना दिवस (20 फरवरी) के अवसर पर प्रधानमंत्री ने वहां के लोगों को शुभकामनाएं दीं।
- भारतीय संविधान के 53वें संशोधन (वर्ष 1986) के साथ 20 फरवरी 1987 को मिजोरम भारतीय संघ का 23वां राज्य बना।

मिजोरम:

ऐतिहासिक पृष्ठभूमि:

- आजादी के समय मिजो हिल्स क्षेत्र असम के भीतर लुशाई हिल्स जिला बन गया। बाद में वर्ष 1954 में इसका नाम बदलकर असम के मिजो हिल्स जिले कर दिया गया।
- मिजोरम को केंद्र शासित प्रदेश का दर्जा वर्ष 1972 में मिजो नेशनल फ्रंट (एमएनएफ) के नरमपंथियों के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर करने के बाद दिया गया था।
- केंद्र सरकार और एमएनएफ के बीच एक समझौता ज्ञापन (मिजोरम शांति समझौता) पर हस्ताक्षर के बाद 1986 में केंद्र शासित प्रदेश मिजोरम को पूर्ण राज्य का दर्जा दिया गया था।

भौगोलिक स्थिति:

- **अंतर्राष्ट्रीय सीमा**: म्यांमार और बांग्लादेश।
- **राज्य की सीमा:** त्रिपुरा (उत्तर-पश्चिम), असम (उत्तर) और मणिपुर (उत्तर-पूर्व) ।

जनसांख्यिकी:

- वर्ष 2022 में मिजोरम की जनसंख्या 27 मिलियन होने का अनुमान है, जिससे यह सिक्किम के बाद भारत का दूसरा सबसे कम आबादी वाला राज्य बन गया है।
- लिंग अनुपात प्रति 1000 पुरुषों पर 975 महिलाएं हैं (राष्ट्रीय स्तर पर यह 943 है) ।
- राज्य की साक्षरता दर 58% (राष्ट्रीय दर: 74.04%) है।

जैव विविधता:

- भारत वन स्थिति रिपोर्ट (आईएसएफआर), 2021 के अनुसार, मिजोरम में देश के अन्य राज्यों की तुलना में सबसे अधिक वन क्षेत्र (4%) है।
- **राज्य पशु:** सीरो
- **राज्य पक्षी:** ह्यूम बारटेल्ड तीतर

संरक्षित क्षेत्र:

- डंपा टाइगर रिजर्व
- मुरलेन राष्ट्रीय उद्यान
- फौंगपुई राष्ट्रीय उद्यान
- नेंगंगपुई वन्यजीव अभयारण्य
- तवी वन्यजीव अभयारण्य

जनजाति:

- भारत के अन्य सभी राज्यों की तुलना में मिजोरम में जनजातीय आबादी का प्रतिशत सबसे अधिक है।
- मिजो समुदाय में 5 प्रमुख और 11 छोटी जनजातियां शामिल हैं जिन्हें सामूहिक रूप से औजिया कहा जाता है। इन 5 प्रमुख जनजातियों में लुशाई, राल्ते, हमार, पैहते, पावी (या पोई) शामिल हैं।
- मिजो एक सामाजिक रूप से जुड़ा समाज है जिसमें लिंग, स्थिति या धर्म के आधार पर कोई भेदभाव नहीं है।
- मिजो एक कृषि समुदाय है, इस समुदाय के लोग झूम खेती की प्रणाली को अपनाते हैं।

मिज़ो समुदाय के दो मुख्य त्यौहार हैं- मीम कुट, चापचर कुट।

- **मीम कुट**: मक्के की कटाई के बाद अगस्त और सितंबर के महीनों के दौरान मीम कुट या मक्का त्योहार मनाया जाता है।
- **चापचर कुट:** यह बसंत का त्योहार है, जिसे "झूम की खेती के लिए जंगल साफ करने का काम पूरा होने के बाद मनाया जाता है, यह मिजोरम का सबसे लोकप्रिय त्योहार है।

Yojna IAS

- मिज़ो का सबसे रंगीन और विशिष्ट नृत्य 'चेरवा' कहलाता है। इस नृत्य के लिए बांस के लंबे कदमों का उपयोग किया जाता है, इसलिए कई लोग इसे 'बांस नृत्य' भी कहते हैं।

Swadeep Kumar

Yojna IAS